

'स्वरचित' - काव्य स्पर्धा

- कवितेचे शीर्षक : - नादब्रह्म (प्रथम क्रमांक विजेती कविता)
- कवी / कवयित्रीचे नाव :- उदय मुकुंद पळणिकर

राग संगीताचा | नीट श्रवणावा |
सुर आनंदाचा | आळवावा ||

सा रे ग म प ध | स्वर ताल नाद |
येई प्रतिसाद | अंतर्यामी ||

तनासाठी स्नान | मनासाठी ध्यान |
संगीत साधन | नित्यनेमे ||

समयाचे तत्व | संगीताचे सत्व |
जाणिजे महत्व | सप्तसूरांचे ||

बासुरीचे सूर | दिसे चित्तचोर |
मनासी फुंकर | अलगद ||

बोलता सतार | गुंजतात स्वर |
उघडते द्वार | चैतन्याचे ||

सप्तसूरां संगे | जुळू देत नाते |
स्वर ताल वाद्ये | अहर्निश ||

ऐकतो आहत | एक अनाहत |
उरे अंतरात | नादब्रह्म ||